

GOVERNMENT OF RAJASTHAN

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

TENDER DOCUMENT

FOR

**CONSTRUCTION OF THE BOUNDARY OF THE DIVERTED
FOREST LAND BY ERECTING FOUR FEET HIGH
REINFORCED CEMENT CONCRETE PILLARS, EACH
INSCRIBED WITH ITS SERIAL NUMBER, FORWARD AND
BACK BEARING AND DISTANCE FROM PILLAR TO PILLAR
FROM KM 13+313 TO KM 16+347 OF NH 24**

NIT No.	:	03 / 2026-27, Sr. No. 01
ESTIMATED COST	:	Rs. 8.87 Lacs
EARNEST MONEY	:	Rs. 17,740/- (2%) Rs. 4,435/- (½% for PWD Registered Contractors
DATE OF SALE / DOWNLOADING	:	15.07.2026 AT 9:30 AM 29.07.2026 UPTO 6:00 PM
DATE OF RECEIPT	:	15.07.2026 AT 9:30 AM 29.07.2026 UPTO 6:00 PM
DATE OF OPENING OF BID DOCUMENT	:	31.07.2026 AT 11:00 AM
COMPLETION PERIOD	:	03 (Three) Months
COST OF TENDER	:	Rs. 1,000/-

IMPORTANT DATES AND OTHER INFORMATION

Executive Engineer, P.W.D. NH Dn.-I Jaipur

NAME OF WORK : CONSTRUCTION OF THE BOUNDARY OF THE DIVERTED FOREST LAND BY ERECTING FOUR FEET HIGH REINFORCED CEMENT CONCRETE PILLARS, EACH INSCRIBED WITH ITS SERIAL NUMBER, FORWARD AND BACK BEARING AND DISTANCE FROM PILLAR TO PILLAR FROM KM 13+313 TO KM 16+347 OF NH 24

1. Completion Period for construction	03 Month
2. Defect Liability Period	As per Rule
3. Date of Issue of Notice Inviting Bid	14.07.2026
4. Period and Places of Sale/ Download of Bidding Documents -	From : 15.07.2026, Time at 9:30 AM
	To : 29.07.2026, Time up to 6:00 PM
	Place : web site http://eprocure.gov.in
5. Deadline for Receiving Bids	From : 15.07.2026, Time at 9:30 AM
	To : 29.07.2026, Time up to 6:00 PM
6. Time and Date for Opening of Bid	Date : 31.07.2026, Time : 11:00 AM
7. Place of Opening Bids	Address is : Executive Engineer, P.W.D. NH Dn.-I Jaipur
8. Bid Validity	90 days from opening of tender.
9. Officer Inviting Bids	Designation : Executive Engineer, P.W.D. NH Dn.-I Jaipur
10. Rate are based on BSR	Rates based on PWD NH Circle Jaipur BSR-2024 with all subsequent corrigendum
11. Processing Fee, Tender Cost and Earnest money deposit details	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.6(5)/वित्त/ साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्रास पर आनलाईन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) 1. धरोहर राशि - 8443-00-108-00-00
12. Office ID of Deposit of Challan on E-Grass Site	3914 - Xen P.W.D. NH Dn.-I Jaipur

Details of NIT

District	Name of Work Package No.	Estimated Cost (Rs.)	Earnest Money	Time Allowed for completion	Last date and time for receipt of application for issue of Tender form	Time and date of opening of tender	Place of Sale of documents	Class of contractor
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
Jaipur	CONSTRUCTION OF THE BOUNDARY OF THE DIVERTED FOREST LAND BY ERECTING FOUR FEET HIGH REINFORCED CEMENT CONCRETE PILLARS, EACH INSCRIBED WITH ITS SERIAL NUMBER, FORWARD AND BACK BEARING AND DISTANCE FROM PILLAR TO PILLAR FROM KM 13+313 TO KM 16+347 OF NH 24	8.87 Lacs	Rs. 17,740/- (2%) Rs. 4,435/- (½% for PWD Registered Contractors)	03 Month	29.07.2026 UPTO 6:00 PM	31.07.2026 Time at 11:00 AM	Place : web site http://eprocure.gov.in	D Class & Above

- The earnest money as mentioned above should be deposited in favour of **Executive Engineer, PWD NH Dn.-I Jaipur- 3914** (Please verify the ID given in Nit) by E-Gras Challan online and tender fee through bharatkosh portal (www.bharatkosh.gov.in) and must be uploaded scan copy of Registration of Firm, E-Grass Receipt of Tender Cost & Earnest Money and GST Registration, PAN & Annexure-A to D on site.
- The bid document can be viewing and downloaded by the bidder from web site <http://eprocure.gov.in> and <http://sppp.rajasthan.gov.in>
- वस्तु एवं सेवाकर (GST) दिनांक 01.07.2017 से प्रभावी होने के कारण निविदादाताओं (Bidders) का नियमानुसार GST में पंजीयन कराया जाना अनिवार्य है, जिसकी प्रति निविदा प्रपत्रों के साथ E-Proc पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है।
- राजस्थान उपापन नियम 2013 के अनुसार प्रपत्र ए.बी.सी.डी. निविदा के साथ अनिवार्य रूप से उपलोड करना होगा।
- निविदादाता द्वारा वित्त विभाग द्वारा जारी पट्रिपत्र प.6(5)/वित्त/ साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई ग्रास पर आनलाईन के माध्यम से चालान द्वारा निम्न मद (Head) में धरोहर राशि - 8443-00-108-00-00 के द्वारा जमा कराना आवश्यक है। निविदादाता द्वारा निविदा भरते समय धरोहर राशि का भुगतान प्रत्येक निविदा के लिये पृथक-पृथक चालान द्वारा ही जमा कराया जावेगा एवं चालान भरते समय Remark में निविदा क्रमांक एवं उसकी क्रम संख्या/कार्य का नाम अंकित करना आवश्यक है। निविदादाता को चालान बनाने हेतु सर्वप्रथम ई-ग्रास पर अपनी आई डी (I.D.) एवं पासवर्ड (Password) बनाना होगा। उसके पश्चात ई-ग्रास पर सर्विस चालान Option सलेक्ट करके 65-PWD Department सलेक्ट करना होगा एवं सर्विस कटैगरी में E Proc Tender Fees सलेक्ट करना होगा। उसके पश्चात चालान विन्डो खुल जायेगा जिसमें उपरोक्त लिखे बजट मद (Head) प्रदर्शित हो जायेगे जिसे भरकर चालान जमा कराना होगा। जिसमें चालान भरते समय जिले का नाम, कार्यालय का नाम (3914 - Xen P.W.D. NH Dn.-I Jaipur) एवं विभाग Public Works Department का विशेष ध्यान रखे। इस कार्यालय में किसी भी प्रकार की राशि/बैकर चैक/डी.डी अथवा मैनुअल मोड से इस कार्यालय में स्वीकार नहीं की जावेगी।
- लोक निर्माण वित्तीय लेखा नियम भाग द्वितीय परिशिष्ट XVI ds Section VII के बिन्दु संख्या VII.2 अन्तर्गत एवं मुख्य अभियंता सा.नि.वि., राजस्थान जयपुर के पत्रांक प.3(2)/वित्त/साविलेनि/2020 दिनांक 10.07.2025 के अनुसार जिन संवेदकों का निर्माण विभागों द्वारा इस विभाग के आदेश संख्या 03.04.2025 के द्वारा जारी होने से पूर्व जिन संवेदकों का दो वर्ष हेतु रिव्यू किया गया था तथा जिनका पुनः रजिस्ट्रेशन रिव्यू दिनांक 03.04.2025 के पश्चात होना है उन्हें अब दो वर्ष के स्थान पर चार वर्ष पश्चात रजिस्ट्रेशन रिव्यू करवाना होगा अन्यथा पंजीयन नियम के अनुच्छेद VII.3.vi के तहत ऐसे निविदादाता की निविदा को अयोग्य (Non Responsive) माना जावेगा।

कार्यालय मुख्य अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जयपुर

अति-आवश्यक/तत्काल

क्रमांक: मु.अ./अनु.ग्यारह/2021-22/डी:-27 ए

दिनांक:-05.08.2021

अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, समस्त संभाग कार्यालय
अधीक्षण अभियन्ता, समस्त वृत्त कार्यालय
अधिशायी अभियन्ता, समस्त खण्ड एवं गुण नियंत्रण कार्यालय
परियोजना निदेशक, समस्त पीएमजीएसवाई/पीपीपी खण्ड
अधिशायी अभियन्ता (मुख्यालय)
उद्यानविज्ञ/य. अधीक्षक/अधीक्षक (उद्यान) समस्त कार्यालय
सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान।

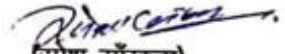
विषय:- सत्यनिष्ठा संहिता संबंधी प्रावधान बोली दस्तावेजों में शामिल करने बाबत।

संदर्भ:- वित्त विभाग का परिपत्र क्रमांक: एफ.1(8)वित्त/साविलेनि/2011 दिनांक: 04.02.2013 तथा भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक प्रतिवेदन (आर्थिक क्षेत्र) वर्ष 2017-18 समाविष्ट अनुच्छेद संख्या 2.1.8.2

उपरोक्त विषयान्तर्गत वित्त विभाग का परिपत्र क्रमांक: एफ.1(8)वित्त/साविलेनि/2011 दिनांक: 04.02.2013 तथा भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक प्रतिवेदन (आर्थिक क्षेत्र) वर्ष 2017-18 समाविष्ट अनुच्छेद संख्या 2.1.8.2 के क्रम में लेख है कि वित्त विभाग के संदर्भित परिपत्र दिनांक: 04.02.2013 के अनुसार स्टैंडर्ड बिडिंग डाक्यूमेंट जारी होने तक निम्नलिखित संलग्नक (Annexures) वर्तमान प्रचलित बोली दस्तावेजों के साथ सम्मिलित करते हुए ही बिड दस्तावेज जारी किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है:-

Annexure A: Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest
Annexure B: Declaration by Bidders regarding Qualifications
Annexure C: Grievance Redressal during Procurement Process
Annexure D: Additional Conditions of Contract

अतः समस्त अधीनस्थ कार्यालयों को निर्देशित किया जाता है कि उक्त संलग्नक (Annexures) वर्तमान प्रचलित बोली दस्तावेजों के साथ सम्मिलित करते हुए ही बिड दस्तावेज जारी किया जाना सुनिश्चित किया जावे।


(रमेश साँखला)
वित्तीय सलाहकार
सा.नि.वि. राज. जयपुर
दिनांक:-05.08.2021

क्रमांक: मु.अ./अनु.ग्यारह/2021-22/डी:-27 ए

प्रतिलिपि निम्न अधिकारियों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

1. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव, सा.नि.वि., राज., जयपुर।
2. निजी सचिव, समस्त मुख्य अभियन्ता, सा.नि.वि., राज., जयपुर।
3. निजी सचिव, वित्तीय सलाहकार (एन.एच.) सा.नि.वि., राज., जयपुर।
4. मुख्य लेखाधिकारी, समस्त संभाग, सा.नि.वि., राज., जयपुर।


(रमेश साँखला)
वित्तीय सलाहकार
सा.नि.वि. राजस्थान, जयपुर

Transparency Act

Annexure A : Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall -

- (a) not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
- (b) not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- (c) not indulge in any collusion, Bid rigging or anti-competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- (d) not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- (e) not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;
- (f) not obstruct any investigation or audit of a procurement process; (g) disclose conflict of interest, if any; and
- (h) disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest:-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

- i. A Bidder may be considered to be in Conflict of Interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limited to:
 - a. have controlling partners/ shareholders in common; or
 - b. receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
 - c. have the same legal representative for purposes of the Bid; or
 - d. have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or
 - e. the Bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a Bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid; or
 - f. the Bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the Goods, Works or Services that are the subject of the Bid; or
 - g. Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the Procuring Entity as engineer-in-charge/ consultant for the contract.

Annexure B : Declaration by the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

In relation to my/our Bid submitted to for procurement of in response to their Notice Inviting Bids No Dated I/we hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012, that:

1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entity;
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the Bidding Document;
3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
4. I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competition;

Date :

Signature of bidder

Place :

Name:

Designation:

Address:

Annexure C : Grievance Redressal during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is :

The designation and address of the Second Appellate Authority is :

(1) Filing an appeal

If any Bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued there under, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the Bidding Document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a Procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be filed only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable.

- (2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavour to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.
- (3) If the officer designated under para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para (2), or if the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity, as the case may be, may file a second appeal to Second Appellate Authority specified in the Bidding Document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.

(4) Appeal not to lie in certain cases

No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely:-

- (a) determination of need of procurement;
- (b) provisions limiting participation of Bidders in the Bid process;
- (c) the decision of whether or not to enter into negotiations;
- (d) cancellation of a procurement process;
- (e) applicability of the provisions of confidentiality.

(5) Form of Appeal

- (a) An appeal under para (1) or (3) above shall be in the annexed Form along with as many copies as there are respondents in the appeal.
- (b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.
- (c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorised representative.

(6) Fee for filing appeal

- (a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second 'appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.
- (b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

(7) Procedure for disposal of appeal

- (a) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.
- (b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall,-
 - (i) hear all the parties to appeal present before him; and
 - (ii) peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.
- (c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.
- (d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

**Memorandum of Appeal under the Rajasthan Transparency in Public
Procurement Act, 2012**

Appeal Noof

Before the(First / Second Appellate Authority)

1. Particulars of appellant:

(i) Name of the appellant: (ii)

Official address, if any: (iii)

Residential address:

2. Name and address of the respondent(s):

(i)

(ii)

(iii)

3. Number and date of the order appealed against and name and designation of the officer / authority who passed the order (enclose copy), or a statement of a decision, action or omission of the Procuring Entity in contravention to the provisions of the Act by which the appellant is aggrieved:

4. If the Appellant proposes to be represented by a representative, the name and postal address of the representative:

5. Number of affidavits and documents enclosed with the appeal:

6. Grounds of appeal:

..... (Supported by an affidavit)

7. Prayer :

Place

Date

Appellant's Signature

Annexure D : Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors

Provided that a Financial Bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis:

- i. if there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;
- ii. if there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and
- iii. if there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.

If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall Be disqualified and its Bid Security shall be forfeited or its Bid Securing Declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities

- (i) At the time of award of contract, the quantity of Goods, works or services originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.
- (ii) If the Procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Conditions of Contract.
- (iii) In case of procurement of Goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 25% of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the Supplier fails to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the Supplier.

3. Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award (In case of procurement of Goods)

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the Bidder, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the Bidder, whose Bid is accepted.